जम्मू युनिवर्सिटी पोस्ट

उत्कृष्ट भविष्य की ओर अग्रसर

अप्रैल, 2026 | जम्मू | खंड संख्याः 03 | अंकः 01

एलजी मनोज सिन्हा द्वारा 'जेयू वाचन' का शुभारंभ, कैंपस स्टोरीटेलिंग के नए युग का संकेत



कैंपस की कहानियों के लिए एक नई आवाज़ः एलजी मनोज सिन्हा ने जम्मू यूनिवर्सिटी में जेयू वाचन पॉडकास्ट का किया शुभारंभ।

शुभम चौधरी / नेहा सिसोदिया

जम्मूः जम्मू विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा जब जम्मू विश्वविद्यालय परिसर में माइक के सामने पहुंचे, तो यह महज़ एक आधिकारिक औपचारिकता नहीं थी। मौके पर ही लाइव रिकॉर्डिंग के लिए बैठकर मनोज सिन्हा ने विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विभाग की पहल पर शुरू किए गए नए डिजिटल पॉडकास्ट प्लेटफॉर्म 'जेयू वाचन' का शुभारंभ किया। यह शुभारंभ विश्वविद्यालय के तीसरे वार्षिक बहु–विधा युवा महोत्सव 'गूंज 2026' की पृष्ठभूमि में हुआ। "मिटती सीमाएँ, विकसित होती शिक्षा" की मार्गदर्शक भावना के साथ आयोजित इस महोत्सव में संबद्ध महाविद्यालयों और ऑफ–साइट कैंपस के 600 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

मीडिया विद्यार्थियों के लिए एक व्यावहारिक डिजिटल प्रयोगशाला के रूप में परिकल्पित 'जेयू वाचन' जम्मू विश्वविद्यालय के पत्रकारिता पाठ्यक्रम में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। इस पहल का उद्घाटन मंच से औपचारिक घोषणा के बजाय उपराज्यपाल ने सीधे विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए किया और उन्होंनें कहा यदि आप पिछले कुछ वर्षों में जम्मू विश्वविद्यालय को देखें, तो यहां अकादमिक स्तर पर नए प्रयोगों की दिशा में एक सचेत बदलाव दिखाई देता है। ये नए क्षेत्र और प्रगतिशील मॉडल ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दृष्टिकोण को वास्तविक धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा भारत दुनिया की अग्रणी आर्थिक शक्तियों में शामिल होने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। इसलिए मैं विश्वविद्यालय समुदाय से आग्रह करता हूं कि वह 'डिज़ाइन योर डिग्री' जैसे नए एवं अग्रणी मार्गों को पूरी तरह अपनाए।

भारत के भविष्य को वैश्विक ज्ञान अर्थव्यवस्था के रूप में निर्मित करने में जम्मू विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका है और आपके योगदान इस दिशा में नेतृत्व करने में सहायक होंगे। यह आधुनिक कदम नए युवाओं के भविष्य के निर्माण मे सहायक होगा और यह प्रयास युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सक्षम रहेगा।

प्रो.दुष्यंत कुमार राय ने संभाला पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन के विभागाध्यक्ष का पदभार



प्रोफेसर गरिमा गुप्ता ने नए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर दुष्यंत कुमार राय का किया स्वागत।

जेयू पोस्ट डेस्क

जम्मूः प्रो. दुष्यंत कुमार राय ने जम्मू विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष का पदभार संभाल लिया है।

जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा जारी एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, प्रो. दुष्यंत कुमार राय पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे। प्रो. राय इसी विभाग में प्रोफेसर हैं और उनके पास पीएचडी तथा नेट की शैक्षणिक योग्यता है।

उनके विशेषज्ञता के क्षेत्रों में राजनीतिक रिपोर्टिंग, जनसंपर्क, बीट रिपोर्टिंग, विज्ञापन और फिल्म अध्ययन शामिल हैं। प्रो. राय विभाग की विभिन्न शैक्षणिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों से सक्रिय रूप से जुड़े रहे हैं। उन्होंने पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन में व्यावहारिक और व्यावसायिक शिक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित कई कार्यक्रमों, व्याख्यानों, कार्यशालाओं और विद्यार्थी–केंद्रित गति. विधियों में भाग लिया तथा उनका मार्गदर्शन किया है।

इससे पहले प्रो. गरिमा गुप्ता विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत थीं। उनके कार्यकाल के दौरान विभाग ने कई शैक्षणिक एवं कौशल–विकास संबंधी पहलें आयोजित कीं। इनमें पोस्ट–प्रोडक्शन तकनीकों पर कार्यशालाएं तथा मीडिया विद्यार्थियों के लिए अनुभवात्मक अधिगम पर केंद्रित विभिन्न कार्यक्रम शामिल रहे।

प्रो. राय के नेतृत्व में विभाग की गतिविधियों को नई दिशा मिलने की पूर्ण आशा है, जिससे पत्रका. रिता एवं जनसंचार के क्षेत्र में नए अवसरों और नवाचारों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने, उनकी रचनात्मक क्षमता को निखारने तथा मीडिया उद्योग की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने पर भी विशेष ध्यान दिए जाने की उम्मीद है।

गूंज 2026: सर्वोत्तम अभ्यास

पत्रकारिता विभाग ने रचा कीर्तिमान

जेयू पोस्ट डेस्क

जम्मूः जम्मू विश्वविद्यालय के नवस्थापित पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विभाग (जे एम एस) ने विश्वविद्यालय के दो दिवसीय युवा महोत्सव 'गूंज 2026' में बेस्ट प्रैक्टिस शोकैस में चौथा स्थान प्राप्त किया। विभाग के विद्यार्थियों ने अपने स्टॉल पर रचनात्मकता और तकनीकी नवाचार का शानदार प्रदर्शन किया। विभाग का स्टॉल महोत्सव का सबसे चर्चित आकर्षणों में शामिल रहा, जिसमें पारंपरिक मीडिया कौशल को अत्याधुनिक तकनीक के साथ जोड़ा गया था।

'मुख्य आकर्षणों में से एक एआई की सहायता से तैयार किया गया समाचार वाचक था। विद्यार्थियों ने एआई प्रणाली को समाचार वाचक के रूप–रंग, वेशभूषा और बोलने की शैली से संबंधित निर्देश देकर इसे तैयार किया था। यह आभासी वाचक पर्दे पर समाचार प्रस्तुत कर रहा था।

इस आकर्षण के साथ विद्यार्थियों द्वारा विशेष रूप से तैयार की गई एक एआई आधारित चलचित्र ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। चलचित्र में ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह के जीवन और उनके वीरतापूर्ण कार्यों को दर्शाया गया था। विभाग के विद्यार्थियों ने एआई उपकरणों की सहायता से इस चलचित्र का निर्माण किया था। आयोजन स्थल पर प्रदर्शित इस चलचित्र को आगंतुकों, शिक्षकों और गणमान्य व्यक्तियों से सराहना मिली।



गूँज 2026 में अवॉर्ड लेते हुए पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थी और संकाय सदस्य।

विभाग के प्रदर्शनी स्थल पर जेएमएस के विद्यार्थियों द्वारा सीधा पॉडकास्ट अभिलेखन भी किया गया। पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों द्वारा स्थापित छायाचित्र स्थल भी दर्शकों के लिए प्रमुख आकर्षण बन गया।

आगंतुकों, विद्यार्थियों और शिक्षकों की यहाँ तस्वीरें खिंचवाने के लिए कतारें लगी रहीं। रचनात्मक ढंग से तैयार की गई पृष्ठभूमि के सामने लोगों ने उत्साह के साथ यादगार पलों को कैमरे में कैद किया। विभाग के प्रदर्शनी स्थल पर नवाचार, पत्रकारिता–आधारित कहानी–कथन और विद्यार्थियों की रचनात्मकता का यह समन्वय विभाग के उस बढ़ते प्रयास को दर्शाता है, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को भविष्य के लिए आवश्यक कौशलों से सुसज्जित करने के साथ–साथ पत्रकारिता की पारंपरिक क्षमताओं का भी विकास किया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

77वाँ गणतंत्र दिवस

77वें गणतंत्र दिवस पर जम्मू विश्वविद्यालय ने साझा की तेज और सुनियोजित बदलाव की रूपरेखा



- पत्रकारिता विभाग इंटरडिसिप्लिनरी (कई विषयों वाली) शिक्षा को अपनाता है
– छात्र राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं
– नए ज़माने के कोर्स करियर के विकल्प बढ़ाते हैं
– प्लेसमेंट से छात्रों की नौकरी पाने की क्षमता बढ़ती है

77वें गणतंत्र दिवस पर जम्मू विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. उमेश राय।

नियति और चेतना

जम्मू, 26 जनवरी। ठंडी सर्दियों की सुबह, तिरंगे की शान और राष्ट्रभक्ति के नारों के बीच जम्मू विश्वविद्यालय में 77वें गणतंत्र दिवस का आयोजन उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय ने शिक्षा, नवाचार और राष्ट्रीय विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उमेश राय ने अपने संबोधन में संस्थान की विकास यात्रा और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला और उच्च शिक्षा में बदलते दृष्टिकोण और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप विद्यार्थियों को पारंपरिक विषयों के साथ आधुनिक तकनीक और व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप सक्षम बनाना है।

विश्वविद्यालय में अंतरविषयक शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे विद्यार्थी विभिन्न विषयों का ज्ञान प्राप्त कर अपने कौशल को विकसित कर सकें। नए पाठ्यक्रमों और रोजगारोन्मुखी शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए करियर के नए विकल्प तैयार किए जा रहे हैं।

इससे न केवल उनकी रोजगार क्षमता बढ़ेगी, बल्कि वे भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार होंगे।

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं और शैक्षणिक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

जम्मू इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और डेटा विश्लेषण जैसे तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षण देकर विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा रहा है।

यह पहल शिक्षा, तकनीक और राष्ट्र निर्माण के बीच मजबूत संबंध दर्शाती है।

किताब–दर–किताब:15 सेकंड की क्षणभंगुर रील्स संस्कृति के विरुद्ध जेयू की पहल



किताब–दर–किताब पुस्तकों और विचारों के आदान–प्रदान के माध्यम से पाठकों को एक साझा मंच पर जोड़ता है।

कुमारी ज्योति/आयुष महाजन

जम्मू: 15 सेकंड की क्षणभंगुर रीलों और एल्गोरिदम से बने विचारों के प्रतिध्वनि–कक्षों के प्रभुत्व वाले इस दौर में, किसी शांत हॉल में भौतिक पुस्तक के साथ बैठने की सहज क्रिया भी लगभग एक वैकल्पिक सांस्कृतिक अनुभव जैसी लगती है।

लेकिन जम्मू विश्वविद्यालय की धन्वंतरी लाइब्रेरी के भीतर पढ़ने की यही धीमी और विचारपूर्ण लय एक जीवंत स्वरूप में दिखाई दी।

यह धन्वंतरी लाइब्रेरी द्वारा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र क्षेत्रीय केंद्र जम्मू–कश्मीर, और उत्साह के अनुवाद क्लब के सहयोग से शुरू की गई द्विमासिक पठन एवं संवाद श्रृंखला है।

इसकी मूल अवधारणा सीधी थी –किसी पुस्तक का वास्तविक जीवन उसके पन्ने बंद होने के साथ समाप्त नहीं होता, बल्कि तब शुरू होता है जब उसके विषय सामूहिक संवाद का हिस्सा बनकर बाहर आते हैं।

व्यापक संस्थागत उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए, उत्साह क्लब कंसोर्टियम की अध्यक्ष प्रो. मीना शर्मा ने जोर दिया कि ऐसे साहित्यिक मंचों का विकास एक ऐसे पारिस्थिति की तंत्र के निर्माण के लिए आवश्यक है, जो न केवल उत्साही पाठकों बल्कि निष्क्रिय दर्शकों को भी जीवंत सांस्कृतिक संरक्षण की प्रक्रिया से जोड़ सके।

संवाद का संचालन पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विभाग की प्रमुख तथा अनुवाद क्लब की समन्वयक प्रो. गरिमा गुप्ता ने किया। यह पहल पठन और संवाद को बढ़ावा देगी, इससे नई साहित्यिक चेतना जागेगी।

रश्मिरथी के सारथी

जम्मू विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भारत रंग महोत्सव में रचा इतिहास

वंशिका / नेहा

जम्मू: खुले आसमान के नीचे, बारिश और ठंड के बीच खड़े होकर मंच पर प्रस्तुति देना जम्मू विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं था। इसके बावजूद 40 विद्यार्थियों ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी काव्य–कृति 'रश्मिरथी' का नाट्य रूपांतरण प्रस्तुत किया।

इस प्रस्तुति के साथ जम्मू में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के 25वें भारत रंग महोत्सव (बीआरएम) 2026 के जम्मू अध्याय का शुभारंभ हुआ।

अकादमिक प्रस्तुति श्रेणी के तहत विद्यार्थियों ने महोत्सव की पारंपरिक प्रस्तुतियों से अलग एक नई पहल की।

मंच पर अभिनय करने वाले विद्यार्थी किसी प्रतिष्ठित नाट्य संस्थान से प्रशिक्षित कलाकार नहीं, बल्कि जम्मू विश्वविद्यालय के स्नातक स्तर के 'डिजाइन योर डिग्री' कार्यक्रम से जुड़े विद्यार्थी थे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शुरू किए गए इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पारंपरिक शैक्षणिक विषयों की सीमाओं से बाहर निकलकर कौशल, नवाचार और रचनात्मकता के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर देना है।

वर्ष 2023 में शुरू किए गए इस कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को विभिन्न शैक्षणिक विषयों के बीच की सीमाओं को समाप्त करने और नए कौशल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। 'रश्मिरथी' की प्रस्तुति इसी सोच का उदाहरण बनी, जिसने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और रंगमंच के क्षेत्र में नई संभावनाएं तलाशने का अवसर दिया। इस पहल से विद्यार्थियों को रंगमंच की बारीकियों को समझने और साहित्य को नए रूप में प्रस्तुत करने का अवसर मिला। साथ ही, इसने विश्वविद्यालय में रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों की सांस्कृतिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जम्मू विश्वविद्यालय में पहले राष्ट्रीय स्तर के हैकाथॉन 'इनोवाथॉन 1.0' का आयोजन

अलंक्रित/अदिति

जम्मू: जम्मू विश्वविद्यालय के हलचल भरे सभागारों में सामान्य शैक्षणिक शांति की जगह कूलिंग फैन की धीमी आवाज, कीबोर्ड पर तेजी से चलती उंगलियों की खटखट और गंभीर चर्चाओं की गूंज सुनाई दे रही थी। माइक्रोकंट्रोलर, वायर हार्नेस और आधे–अधूरे फ्लोचार्ट से भरी कार्य मेजों पर खाली कॉफी के कप पड़े थे। जब शहर के अधिकांश लोग गहरी नींद में थे, तब एक घड़ी 48 घंटे की चुनौती के हर गुजरते सेकंड का हिसाब रख रही थी यह था 'इनोवेथॉन '1.0', केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर में आयोजित पहला राष्ट्रीय स्तर का ऑफलाइन हैकाथॉन, जिसका आयोजन प्रगति –2026 स्टार्टअप फेस्ट के साथ किया गया। विश्वविद्यालय के स्किल इन्क्यूबेशन, इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेंटर (स् आइ आइ डी ई सी) की मेजबानी में आयोजित इस कार्यक्रम के लिए 100 से अधिक टीमों ने पंजीकरण कराया और 320 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इनमें इंजीनियरिंग संस्थानों, बिजनेस स्कूलों और लद्दाख से लेकर तमिलनाडु तक फैले उभरते तकनीकी केंद्रों के प्रतिभागी शामिल थे।

तकनीकी व्यवहार्यता से जुड़े प्रस्तावों की कड़ी प्रारंभिक जांच के बाद 35 चयनित टीमों ने परिसर में कदम रखा। इन टीमों में स्नातक स्तर के कोडर्स, डॉक्टरेट शोधकर्ता और शुरुआती चरण के स्टार्टअप संस्थापक शामिल थे। उनका उद्देश्य केवल विचार प्रस्तुत करना नहीं, बल्कि सैद्धांतिक अवधारणाओं को काम करने वाले प्रोटोटाइप में बदलना था। हैकाथॉन का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उमेश राय ने प्रतिभागियों से सतही स्तर के ऐप और केवल दिखावटी आंकड़ों से आगे सोचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "विश्वविद्यालय समाज की वास्तविक समस्याओं से अलग कोई ऐसी जगह नहीं हो सकते, जो हाथीदांत की मीनार की तरह दुनिया से कटी हुई हो। वास्तविक नवाचार तब होता है, जब युवा प्रतिभाएं ऐसे उपकरण तैयार करती हैं, जो सीधे लोगों की कठिनाइयों को कम करें, स्थानीय उद्यमों को जन्म दें और वास्तविक विकास संबंधी जरूरतों का समाधान प्रस्तुत करें।

कार्यक्रम की ऊर्जा समापन समारोह में अपने चरम पर पहुंची। इस अवसर पर उपराज्यपाल एवं कुलाधिपति मनोज सिन्हा के साथ विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

नवाचारकर्ताओं को संबोधित करते हुए कुलाधिपति ने प्रतिभागियों की सराहना की और कहा कि उन्होंने यह साबित कर दिया है कि जम्मू–कश्मीर के युवा अब राष्ट्रीय तकनीक के केवल उपभोक्ता नहीं रह गए हैं, बल्कि देश के भविष्य के सक्रिय निर्माता बन रहे हैं।

जेयू के छठे जनसंपर्क अभियान से कठेरा गांव में बदलाव की पहल

जेयू पोस्ट डेस्क

कठुआः कठुआ जिले के निचले इलाकों में बाढ़ के कई महीने बाद भी उसके प्रभाव दिखाई दे रहे हैं। बाढ़ से घरों, फसलों और सार्वजनिक स्थलों को नुकसान पहुंचा, वहीं कई परिवारों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा।

इसी पृष्ठभूमि में जम्मू विश्वविद्यालय के कठुआ कैंपस ने कठेरा गांव में अपने छठे जनसंपर्क एवं आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय और विश्वविद्यालय के बीच संवाद को मजबूत करने के साथ विद्यार्थियों और स्थानीय लोगों को मानसिक स्वास्थ्य तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में 300 से अधिक स्कूली विद्यार्थियों, ग्रामीणों, शिक्षकों और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बाढ़ के बाद उत्पन्न परिस्थितियों और उनके सामाजिक एवं भावनात्मक प्रभावों पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने बच्चों और ग्रामीण समुदाय के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने तथा कठिन परिस्थितियों में आपसी सहयोग की जरूरत पर जोर दिया। कार्यक्रम के तहत पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियां भी आयोजित की गईं। जम्मू विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवकों ने स्थानीय विद्यालय परिसर में मिट्टी संरक्षण और पौधरोपण अभियान चलाया।

स्वयंसेवकों ने बारिश के पानी के बहाव से प्रभावित भूमि को स्थिर करने के लिए गड्ढे खोदे और स्थानीय प्रजातियों के पौधे लगाए। पौधरोपण अभियान में स्थानीय स्कूली बच्चों ने भी भाग लिया। इस दौरान उन्हें पर्यावरण की देखभाल और अपने आसपास के प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व के बारे में बताया गया।

कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। विद्यार्थियों और ग्रामीणों के साथ संवाद के माध्यम से तनाव, भावनात्मक चुनौतियों और सामाजिक सहयोग जैसे पहलुओं पर चर्चा की गई। जम्मू विश्वविद्यालय के कठुआ कैंपस की यह पहल मानसिक स्वास्थ्य, सामुदायिक सहभागिता और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ने का प्रयास कर रही है। कार्यक्रम के माध्यम से विश्वविद्यालय ने अपने गोद लिए गए गांव के साथ जुड़ाव को मजबूत करने और स्थानीय समुदाय के साथ मिलकर सकारात्मक बदलाव की दिशा में काम करने का संदेश दिया। यही कारण है कि इस कार्यक्रम को न केवल छात्रों का समर्थन मिला बल्कि इसे सराहा भी गया।



कठुआ परिसर की पहलः कठेरा में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया।

पहाड़ों से ऊँचे मंच तकः जेके स्टार्टअप मेले में भद्रवाह के युवा प्रतिभागियों की शानदार सफलता

जेयू पोस्ट डेस्क

भद्रवाह : चिनाब घाटी में उद्यमिता को लंबे समय से मौसमी पर्यटन, स्थानीय खुदरा कारोबार या छोटे स्तर की खेती के पारंपरिक नजरिए से देखा जाता रहा है। लेकिन जम्मू विश्वविद्यालय के भद्रवाह कैंपस के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के कक्षा–कक्षों और इनक्यूबेशन केंद्रों में अब एक शांत लेकिन सुनियोजित बदलाव आकार ले रहा है।

यहां चर्चा घटती सरकारी नौकरियों के पीछे भागने से कहीं अधिक, शून्य से नए उद्यम खड़े करने पर केंद्रित है। इस महत्वाकांक्षा को एक बड़े क्षेत्रीय मंच पर तब बड़ी मान्यता मिली, जब उद्योग एवं वाणिज्य विभाग ने जम्मू–कश्मीर उद्यमिता विकास संस्थान (जेकेईडीआई) के सहयोग से वार्षिक स्टार्टअप मेला–स्टार्टअप आइडिया चैलेंज 2025–26 का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में सैटेलाइट कैंपस के तीन विद्यार्थियों ने कई कठिन चरणों से गुजरते हुए केंद्र शासित प्रदेश के उल्लेखनीय युवा नवाचारकर्ताओं के रूप में अपनी पहचान बनाई।

ये पुरस्कार जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री द्वारा प्रदान किए गए। वद्यार्थियों ने यह सफलता केवल आकर्षक प्रस्तुतियों या सिलिकॉन वैली की चर्चित शब्दावली के सहारे हासिल नहीं की, बल्कि तीन कठोर चरणों में अपनी प्रतिभा साबित की। इनमें गुमनाम अवधारणा मूल्यांकन, क्षेत्रीय विशेषज्ञों द्वारा व्यवहार्यता परीक्षण और जम्मू–कश्मीर सहित अन्य क्षेत्रों के प्रतिष्ठित संस्थानों की दर्जनों प्रतिस्पर्धी टीमों के बीच निर्णायक मंडल के समक्ष विस्तृत प्रस्तुति एवं सवाल–जवाब शामिल थे।

भद्रवाह की टीम की सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अपने ही क्षेत्र की जमीन और वास्तविक परिस्थितियों को आधार बनाया। अत्यधिक विशिष्ट तकनीकी उत्पाद तैयार करने के बजाय, उन्होंने अपने समाधानों को स्थानीय पर्यावरणीय और सामाजिक–आर्थिक वास्तविकताओं से जोड़ा।प्रकृति दत्त, एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा, ने प्रथम पुरस्कार हासिल किया और इसके साथ 25,000 रुपये की नकद सहायत राशि भी प्राप्त की। उनके उद्यम का केंद्र पर्वतीय पारिस्थितिक क्षेत्रों के नाजुक पर्यावरणीय संतुलन पर था। उन्होंने एक ऐसे विस्तार योग्य चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल का प्रस्ताव रखा, जिसके माध्यम से क्षेत्रीय कचरे को कम पर्यावरणीय प्रभाव वाले व्यावसायिक उत्पादों में बदला जा सके।

आरिफ, बीबीए अंतिम वर्ष के छात्र, के लिए उद्यमिता की शुरुआत गांव की सीमाओं से होती है। उन्हें भी 25,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। उनके प्रस्ताव में कृषि आपूर्ति श्रृंखला में होने वाले नुकसान और बिचौलिया–आधारित अड़चनों को दूर करने की योजना प्रस्तुत की गई। उन्होंने एक ऐसा सरल और सुलभ परिचालन ढांचा सुझाया, जो दूरदराज के किसानों और ग्रामीण कुटीर शिल्पकारों को सीधे अधिक मूल्य वाले उपभोक्ता बाजारों से जोड़ सके। व्यावसायिक दृष्टि से मौलिक सोच का प्रदर्शन करते हुए रोहित भगत ने भी निर्णायक मंडल की विशेष सराहना हासिल की। उनके असामान्य उद्यम प्रस्ताव को 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार मिला। प्रस्ताव की दीर्घकालिक विस्तार क्षमता ने अनुभवी चयन समिति केसदस्यों का सर्वसम्मत ध्यान आकर्षित किया। कैंपस रेक्टर प्रो. राहुल गुप्ता के नेतृत्व में यह सैटेलाइट केंद्र कुलपति प्रो. उमेश राय के व्यापक शैक्षणिक दृष्टिकोण के अनुरूप स्वयं को लगातार विकसित कर रहा है। इसका उद्देश्य क्षेत्रीय परिसरों को केवल पारंपरिक शिक्षण केंद्रों तक सीमित न रखकर परिणाम–आधारित और अनुभवात्मक शिक्षा के जीवंत केंद्रों में परिवर्तित करना है।



भद्रवाह में आयोजित जम्मू–कश्मीर स्टार्टअप मेले के दौरान भद्रवाह परिसर, जम्मू विश्वविद्यालय को सम्मानित किया गया।

रियासी कैंपस ने समाजशास्त्रीय अध्ययन की पहल की

जेयू पोस्ट डेस्क

रियासीः सैद्धांतिक समाजशास्त्र की बातें कक्षा के भीतर सहज लगती हैं, जहाँ उन्हें ब्लैकबोर्ड और संदर्भ पुस्तकों के बीच सुव्यवस्थित ढंग से समझाया जाता है। जम्मू विश्वविद्यालय के रियासी कैंपस के एम.ए. समाजशास्त्र के द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए सिद्धांत से जीवन की वास्तविक परिस्थितियों तक का यह सफर डोडा जिले के भद्रवाह में चार दिवसीय गहन क्षेत्रीय शोध अभियान के दौरान सामने आया। पाठ्यक्रम के अंतर्गत अनुभवात्मक अध्ययन के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में आयोजित इस शैक्षणिक अभियान का उद्देश्य आधुनिक चिनाब घाटी के दो प्रमुख और आपस में जुड़े संकटों को समझना था–पारंपरिक पर्वतीय कृषि पर जलवायु परिवर्तन का सीधा प्रभाव और स्थानीय पारिस्थितिक पर्यटन (इकोटूरिज्म) से जुड़ी बदलती आर्थिक संभावनाएं।

अभियान को रवाना करते हुए रियासी कैंपस के निदेशक प्रो. सुशील के. पांडे ने यात्रा का उद्देश्य स्पष्ट किया। कुलपति प्रो. उमेश राय के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय द्वारा व्यावहारिक और समुदाय से जुड़े शिक्षण पर दिए जा रहे जोर को दोहराते हुए प्रो. पांडे ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी नोटबुक को केवल अंक प्राप्त करने का माध्यम न समझें, बल्कि उसे आलोचनात्मक और संवेदनशील सामा. जिक अध्ययन के उपकरण के रूप में इस्तेमाल करें। यही कारण है कि इस अभियान के माध्यम से छात्रों ने पर्यावरण और पर्यटन के अंतर्संबंधो को जाना और व्यावहारिक शोध कौशल भी सीखे।

स्पुतनिक की कार्यशाला में मीडिया छात्रों ने सीखी ए–आई आधारित कहानी प्रस्तुति की तकनीक



रूस की स्पुतनिक समाचार एजेंसी ने जेयू के विद्यार्थियों के लिए एआई कार्यशाला आयोजित की।

मुख्तार /इसरान

जम्मू : भविष्य की न्यूज़रूम व्यवस्था आज की तुलना में काफी अलग हो सकती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से समाचार तैयार करने के साथ–साथ ऑडियो, वीडियो और तस्वीरें भी कुछ ही मिनटों में तैयार की जा सकती हैं।

तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया को समझना युवा पत्रकारों के लिए अब पेशेवर जरूरत बनता जा रहा है। इसी संदर्भ में जम्मू विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विभाग के विद्यार्थियों ने रूसी स्टेट न्यूज एजेंसी स्पुतनिक की ओर से आयोजित विशेष ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया। 'एआई की मदद से ऑडियो–विजुअल सामग्री कैसे तैयार करें' विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को पत्रकारिता में एआई के बढ़ते इस्तेमाल और इसके व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराया गया। कार्यशाला में एआई के माध्यम से टेक्स्ट और ऑडियो तैयार करने से लेकर तस्वीरें और वीडियो बनाने तक की तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला का संचालन स्पुतनिक न्यूज एजेंसी एंड रेडियो के ट्रैफिक मैनेजर पावेल जाय्त्सेव ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को आधुनिक मीडिया में एआई की भूमिका और इसके व्यावहारिक इस्तेमाल से अवगत कराया। कार्यशाला में केवल यह समझने पर जोर नहीं दिया गया कि तकनीक क्या कर सकती है, बल्कि इस बात पर भी चर्चा हुई कि पत्रकार इसका प्रभावी और जिम्मेदार तरीके से इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं। वक्ताओं ने कहा कि तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के बावजूद पत्रकार का निर्णय, खबरों का सत्यापन और पेशेवर जिम्मेदारी जैसी महत्वपूर्ण क्षमताएं मानव के पास ही रहनी चाहिए। जम्मू विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विभाग के प्रमुख प्रो. दुष्यंत कुमार राय ने कहा कि कार्यशाला से विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय समाचार संगठनों में अपनाई जा रही व्यावहारक कार्यप्रणाली को समझने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि एआई उपकरणों का इस्तेमाल पत्रकारिता की नैतिकता, सटीकता और मानवीय रचनात्मकता के साथ किया जाना चाहिए। कार्यशाला में बताया गया कि एआई समाचारों के निर्माण, वितरण और उपभोग के तरीके को तेजी से बदल रहा है। कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठनों में इस्तेमाल किए जा रहे एआई आधारित उपकरणों और कार्यप्रणाली की जानकारी मिली। कार्यशाला का संचालन स्पुतनिक हब, नई दिल्ली की प्रमुख ओल्गा डायचेवा ने किया, जबकि रश्मपाल डागोत्रा ने समन्वय किया। जम्मू विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. प्रदीप सिंह बाली और डॉ. कुमरजीत चजगोत्रा, सहायक प्रोफेसरों ने विभाग की ओर से कार्यक्रम के समन्वय में भूमिका निभाई। डॉ. राविया गुप्ता, सहायक प्रोफेसर ने स्वागत भाषण दिया। कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को एआई के बदलते दौर में पत्रकारिता की नई संभावनाओं, चुनौतियों और जिम्मेदारियों को समझने का अवसर मिला। साथ ही, उन्हें यह समझने में मदद मिली कि बदलती तकनीक के बीच पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों और पेशेवर जिम्मेदारियों को कैसे बनाए रखा जा सकता है। इससे विद्यार्थियों को आधुनिक पत्रकारिता की एक नई दिशा मिली।

न्यूज़रूम से आगे: जेयू के मीडिया विद्यार्थियों से जिज्ञासु और समाज से जुड़े रहने का आह्वान

रामनीक /रोशनी

जम्मू: पत्रकारिता की शुरुआत एक सवाल से होती है क्या हुआ? क्यों हुआ? किसकी आवाज सुनी गई और किसकी आवाज अनसुनी रह गई? तेजी से जटिल होते मीडिया परिदृश्य में प्रवेश की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए इन सवालों को जिज्ञासा, धैर्य और जिम्मेदारी के साथ पूछने की क्षमता किसी भी न्यूज़रूम कौशल में महारत हासिल करने जितनी ही महत्वपूर्ण हो सकती है। इसी भावना के साथ जम्मू विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विभाग ने "पत्रकारिता का अतीत, वर्तमान और भविष्य" विषय पर एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया। पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विभाग की प्रमुख प्रो. गरिमा गुप्ता की देखरेख में आयोजित इस सत्र में इंडिया टुडे समूह के साहित्य तक साहित्य आज तक के संपादक एवं वरिष्ठ पत्रकार जय प्रकाश पांडे विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि पत्रकार को जिस विषय या बीट पर काम करना है, उसकी मजबूत समझ विकसित करनी चाहिए, क्योंकि सार्थक रिपोर्टिंग की शुरुआत ज्ञान से होती है। संवाद के दौरान यह भी चर्चा हुई कि वर्षों के दौरान पत्रकारिता किस तरह बदली है और तकनीक तथा नए डिजिटल मंच किस प्रकार इस पेशे को नया रूप दे रहे हैं।आज संभावनाएं केवल पारंपरिक समाचार पत्रों, रेडियो या टेलीविजन तक सीमित नहीं हैं। डिजिटल पत्रकारिता, मल्टीमीडिया स्टोरीटेलिंग, सोशल मीडिया, डॉक्यूमेंट्री निर्माण और



मीडिया के विद्यार्थियों ने अनुभवी पत्रकारों से महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त की।

अन्य उभरते माध्यम युवा संचारकों के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रहे हैं। प्रो. गरिमा गुप्ता ने विद्यार्थियों को मीडिया उद्योग की वास्तविकताओं के लिए तैयार करने में ऐसे संवादों के महत्व को रेखांकित किया। प्रो. दुष्यंत कुमार राय ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया और विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव सांझा करने के लिए वक्ता के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के संवाद विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं और अकादमिक शिक्षा तथा मीडिया उद्योग की अपेक्षाओं के बीच की दूरी को कम करने में मदद करते हैं।इस अवसर पर विभाग के संकाय सदस्यों डॉ. प्रदीप सिंह बाली, डॉ. रमियन भारद्वाज, डॉ. राविया गुप्ता और डॉ. कुमरजीत चजगोत्रा सहित अन्य उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के करियर के लिए मील का पत्थर साबित होगा और छात्रो का आत्मविश्वास बढाएगा।

17वां प्रकृति फिल्म महोत्सव: जम्मू विश्वविद्यालय में सिनेमा ने जगाई संवेदना

सोनिया /विशाली

जम्मू: सभागार की रोशनी मंद हुई, बातचीत थम गई और एक चमकदार सफेद पर्दे ने पूरे कमरे पर कब्जा कर लिया। दो दिनों तक जम्मू विश्वविद्यालय ने केवल चलचित्रों का प्रदर्शन नहीं किया, बल्कि उसने दुनिया की उस कच्ची और अनगढ़ वास्तविकता को भीतर आने का अवसर दिया, जिसे अक्सर हम नजरअंदाज कर देते हैं।

यह 17वां प्रकृति अंतरराष्ट्रीय डॉक्यूमेंट्री फिल्म महोत्सव था, जिसका आयोजन नई दिल्ली स्थित कंसोर्टियम फॉर एजुकेशनल कम्युनिकेशन ने जम्मू विश्वविद्यालय के एजुकेशनल मल्टीमीडिया रिसर्च सेंटर के सहयोग से किया। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस महोत्सव ने जनरल जोरावर सिंह सभागार को एक ऐसे जीवंत सार्वजनिक मंच में बदल दिया, जहां वैश्विक जलवायु संकट, मानवीय गरिमा और जमीनी स्तर पर अस्तित्व के संघर्ष का विद्यार्थियों की चर्चाओं से सीधा संवाद हुआ। सोशल मीडिया की छोटी–छोटी और बिखरी हुई रीलों तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित मीडिया से भरे मौजूदा दौर में सार्वजनिक शैक्षिक प्रसारण की बदलती भूमिका पर विचार करते हुए प्रो. मनहास ने एक महत्वाकांक्षी दिशा प्रस्तुत की। उन्होंने निष्क्रिय शैक्षिक प्रसारण से आगे बढ़कर "परिवर्तन के लिए सिनेमा (सिनेमा फॉर चेंज) की ओर बढ़ने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि जम्मू विश्वविद्यालय के "डिजाइन योर डिग्री" जैसे लचीले शैक्षिक ढांचे यह साबित करते हैं कि भविष्य के लिए तैयार पाठ्यक्रम केवल सैद्धांतिक नहीं, बल्कि व्यावहारिक, दृश्यात्मक और सामाजिक वास्तविकताओं से जुड़े हुए होने चाहिए।

संपादकीय टीम

मुख्य संपादक: प्रो. दुष्यंत कुमार राय
समाचार संपादक: डॉ. रेणु कोतवाल
डिजाइनिंग और लेआउट संपादक: डॉ. राविया गुप्ता
सहायक संपादक: सोनिया, विशाली, सानिया, नेहा, आयुष, वंशिका और अनन्या